वित्त मंत्रालय
वित्तीय सेवाएं विभाग

वित्तीय सेवाएं विभाग में अगस्त, 2023 माह के दौरान हुई महत्वपूर्ण प्रगति निम्नानुसार हैं:

i. माननीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के साथ क्षेत्र-वार समीक्षा बैठकें दिनांक 21.07.2023, 04.08.2023 और 30.08.2023 को क्रमश**:** अगरतला, चेन्नई और दिल्ली में पूर्वोत्तर (7 आरआरबी), दक्षिण (10 आरआरबी) और उत्तर (9 आरआरबी) क्षेत्रों के लिए आयोजित की गईं थी। इन बैठकों में पीएसबी,नाबार्ड,आरआरबी के प्रमुख, संबंधित राज्य सरकारों के वित्त सचिव और आरबीआई के प्रतिनिधि शामिल थे। समीक्षा के दौरान आरआरबी के कार्यनिष्पादन और उनके द्वारा प्रौद्योगिकी को अपनाने के वांछित स्तर पर विचार–विमर्श किया गया और आरआरबी के लिए पीएमजेडीवाई, पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई, एपीवाई, पीएमएमवाई, केसीसी की महत्वपूर्ण योजनाओं पर निरंतर ध्यान केंद्रित किए जाने पर ज़ोर दिया गया।

ii. आईडीबीआई बैंक द्वारा वर्तमान में धारित 2379 करोड़ रुपए की प्रतिभूति रसीदों में से 1500 करोड़ रुपए की राशि की भारत सरकार की आईडीबीआई विशेष प्रतिभूति 2024 के निरसन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। उपर्युक्त मंजूरी से भारत सरकार की देयता में 1500 करोड़ रुपए की कमी आएगी। इसके संबंध में आरबीआई द्वारा दिनांक 30.08.2023 को राजपत्रित अधिसूचना जारी की गई है। आईडीबीआई के पास विशेष प्रतिभूति का शेष स्टॉक 879 करोड़ रुपए हैं। भारत सरकार की आईडीबीआई विशेष प्रतिभूति 2024 को वर्ष 2004 में आईडीबीआई बैंक की दबावग्रस्त आस्तियों को दबावग्रस्त आस्तियों के स्थिरीकरण निधि (एसएएसएफ) में अंतरित करने के उद्देश्य से जारी किया गया था, ताकि इसके अंतर्गत राशि की वसूली की जा सके।

iii. सचिव (वित्तीय सेवाएं विभाग) ने दिनांक 5.8.2023 को तमिलनाडु के मुख्य सचिव के साथ पीएम स्वनिधि योजना के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की थी, जिसमें बैंकों द्वारा लौटाए गए आवेदनों की संख्या कम करने पर विशेष ध्यान दिया गया था। बैठक में इंडियन बैंक और इंडियन ओवरसीज़ बैंक के प्रमुख और तमिलनाडु राज्य और स्थानीय निकायों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

iv. अन्य नियमित उपायों और महत्वपूर्ण प्रगति का विवरण अनुबंध में दिया गया है।

अनुबंध

वित्तीय सेवाएं विभाग के अन्य नियमित कार्यकलाप

1. प्रमुख योजनाओं के अंतर्गत प्रगति :

योजनाएं	दिनांक 30.8.2023 की स्थिति के अनुसार उपलब्धियां (योजना को आरंभ किए जाने से लेकर)	वित्तीय वर्ष 2023-24 में वृद्धि (दिनांक 30.8.2023 की स्थिति के अनुसार)	अगस्त, 2023 में वृद्धि
प्रधानमंत्री जन धन योजना (**पीएमजेडीवाई**)			
● पीएमजेडीवाई खातों की संख्या	50.27 करोड़	161.30 लाख	63 लाख (48 लाख ग्रामीण + 15 लाख शहरी)
● जमाराशि	2,02,916 करोड़ रूपये	4071.61 करोड़ रूपये	2931.84 करोड़ रूपये
● रूपे कार्ड की संख्या	34.16 करोड़	122.03 लाख	30.40 लाख
प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (**पीएमएसबीवाई**)			
● नामांकन	39.27 करोड़	549 लाख	156 लाख
● संवितरित दावों की संख्या	1,22,536	7,242	1,757
प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (**पीएमजेजेबीवाई**)			
● नामांकन	17.86 करोड़	187 लाख	48 लाख
● संवितरित दावों की संख्या	6,95,355	34,972	11,588
अटल पेंशन योजना (**एपीवाई**) (31.8.2023)	5.68 करोड़	47.32 लाख	11.84 लाख

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई)

	योजना को आरंभ किए जाने से लेकर (दिनांक 25.8.2023 तक की स्थिति के अनुसार))		वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान (दिनांक 25.8.2023 तक)		अगस्त, 2023 के दौरान	
	खातों की संख्या (करोड़ में)	राशि (लाख करोड़ रुपए में)	खातों की संख्या (करोड़ में)	राशि (लाख करोड़ रुपए में)	खातों की संख्या (करोड़ में)	राशि (लाख करोड़ रुपए में)
शिशु	35.57	9.84	1.32	0.47	0.24	0.09
किशोर	6.66	9.24	0.56	0.66	0.10	0.13
तरूण	0.86	5.91	0.04	0.38	0.01	0.08
कुल	43.09	24.99	1.92	1.51	0.35	0.30
एससी/एसटी/ओबीसी(कुल सं. में शामिल)	21.95	8.76	1.03	0.59	0.16	0.11
महिलाएं (कुल में से)	29.68	11.30	1.43	0.71	0.28	0.14

स्टैण्ड अप इंडिया (एसयूआई)

	योजना को आरंभ किए जाने से लेकर (दिनांक 31.8.2023 तक की स्थिति के अनुसार)		वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान (दिनांक 31.8.2023 तक)		अगस्त, 2023 के दौरान	
	खातों की संख्या	राशि (करोड़ रुपए में)	खातों की संख्या	राशि (करोड़ रुपए में)	खातों की संख्या	राशि (करोड़ रुपए में)
अजा.	30,972	6,555.76	2,413	530.91	528	110.15
अजजा.	10,437	2,253.02	1,018	211.58	237	44.86
महिलाएं	1,57,141	35,913.27	8,741	1,936.35	1874	384.91
कुल	**1,98,550**	**44,722.05**	**12,172**	**2,678.84**	**2639**	**539.92**

2. **किसान क्रेडिट कार्ड विशेष परिपूर्णता अभियान:** किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना के अंतर्गत पीएम- किसान लाभार्थियों, डेयरी किसानों और मछुआरों सहित किसानों को केसीसी के माध्यम से रियायती ऋण उपलब्ध कराया जाता है। बैंकों और अन्य हितधारकों द्वारा किसानों को किफायती ऋण प्रदान करने की दिशा में निरंतर और ठोस प्रयासों के परिणामस्वरूप, 25 अगस्त, 2023 की स्थिति के अनुसार, 5,30,937 करोड़ रुपए की स्वीकृत ऋण सीमा के साथ केसीसी योजना के अंतर्गत 437.74 लाख किसानों (पशुपालन और डेयरी किसानों तथा मछुआरों सहित) को कवर करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की गई है। विगत वर्षों में केसीसी लाभार्थियों की संख्या बढ़ाने के लिए कई अभियान चलाए गए हैं। 1 मई, 2023 से 31 मार्च, 2024 तक अभियान फिर से शुरू किया गया है। 18 अगस्त, 2023 की स्थिति के अनुसार 1,85,813 शिविर लगाए गए हैं और इस विशेष साप्ताहिक अभियान के अंतर्गत कुल 15,20,915 केसीसी स्वीकृत किए गए हैं।

3. **अकाउंट एग्रीगेटर:** दिनांक 31.8.2023 की स्थिति के अनुसार, 26 वित्तीय संस्था (एफआई), वित्तीय सूचना प्रदाता (एफआईपी) के रूप में, 207 एफआई वित्तीय सूचना उपयोगकर्ता (एफआईयू) के रूप में तथा 66 एफआई एफआईपी तथा एफआईयू, दोनों रूप में कार्य करना आरंभ किया है। 1.13 बिलियन पात्र बैंक खातों में से 18.60 मिलियन उपयोगकर्ताओं ने अपने खाते को एए ढांचे से संबद्ध किया है तथा ग्राहकों की सहमति से एए ढांचे के माध्यम से 19.939 मिलियन आंकड़े सफलतापूर्वक साझा किए गए हैं।

4. **पीएम स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि योजना (पीएम स्वनिधि):** दिनांक 31.8.2023 की स्थिति के अनुसार 8,263 करोड़ रुपये की राशि के कुल 62.81 लाख ऋण आवेदन स्वीकृत किए गए हैं, इनमें से 59.15 लाख ऋण आवेदनों के संबंध में 7,735 करोड़ रुपये की राशि संवितरित की गई है।

5. **खातों को आधार से जोड़ना:** दिनांक 25.8.2023 की स्थिति के अनुसार, 165.71 करोड़ कासा खातों में से, 143.08 करोड़ खातों (86.3%) को आधार से जोड़ दिया गया है।

6. **भीम आधार भुगतान उपकरण:** सरकार द्वारा वित्तीय समावेशन कोष को प्रदत्त वित्तपोषण सहायता के तहत 21.20 लाख भीम आधार भुगतान उपकरण स्थापित किए गए हैं। अगस्त, 2023 में 21,000 की वृद्धि दर्ज की गई है।

7. **पीएमजेडीवाई खाताधारकों का बीमा कवरेज:** पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई के अंतर्गत क्रमशः 5.92 करोड़ और 14.07 करोड़ पीएमजेडीवाई खाताधारकों का नामांकन किया गया है, इनमें से अगस्त, 2023 के दौरान पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई के अंतर्गत क्रमशः 16.29 लाख और 33.43 लाख पीएमजेडीवाई खाताधारकों का नामांकन किया गया है।

****